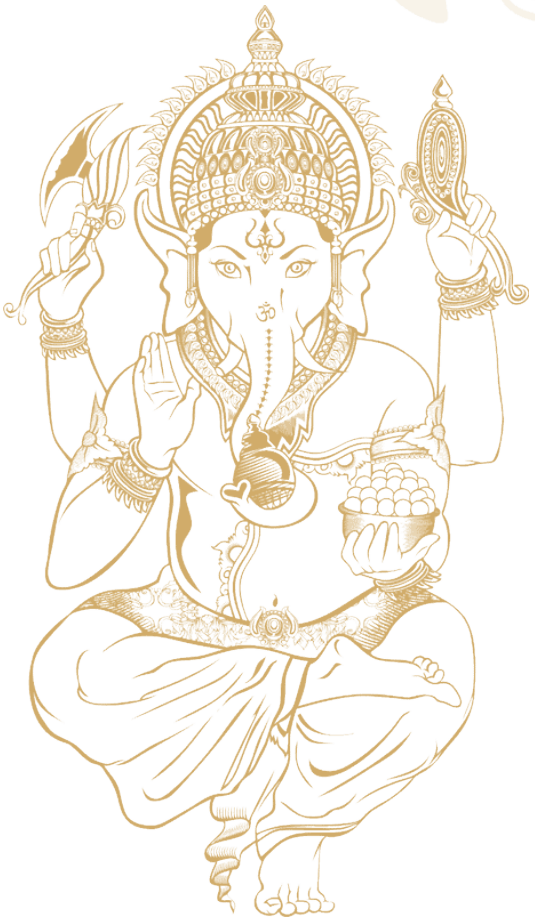

Gopal

07 Jan 1999

02:28 AM

Shamli

Model: web-freekundliweb

Order No: 120955302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/01/1999**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:28:00 घंटे**
इष्ट	47:58:36 घटी
स्थान	**Shamli**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:27:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:07:12 घंटे
वेलान्तर	-00:05:37 घंटे
साम्पातिक काल	09:11:11 घंटे
सूर्योदय	07:16:33 घंटे
सूर्यास्त	17:36:33 घंटे
दिनमान	10:19:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	22:14:59 धनु
लग्न के अंश	17:32:01 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सौभाग्य
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:32:01	307:03:03	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			धनु	22:14:59	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	21:43:28	12:35:39	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	27:24:16	00:28:45	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
बुध			धनु	05:50:53	01:27:58	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	28:59:56	00:09:34	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
शुक्र			मक	08:54:08	01:15:09	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मेष	02:59:23	00:00:55	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु			कर्क	28:47:48	00:01:48	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			मक	28:47:48	00:01:48	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:25:42	00:03:15	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	07:25:56	00:02:13	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	15:28:23	00:01:59	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	21:29:25	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:26

लग्न-चलित

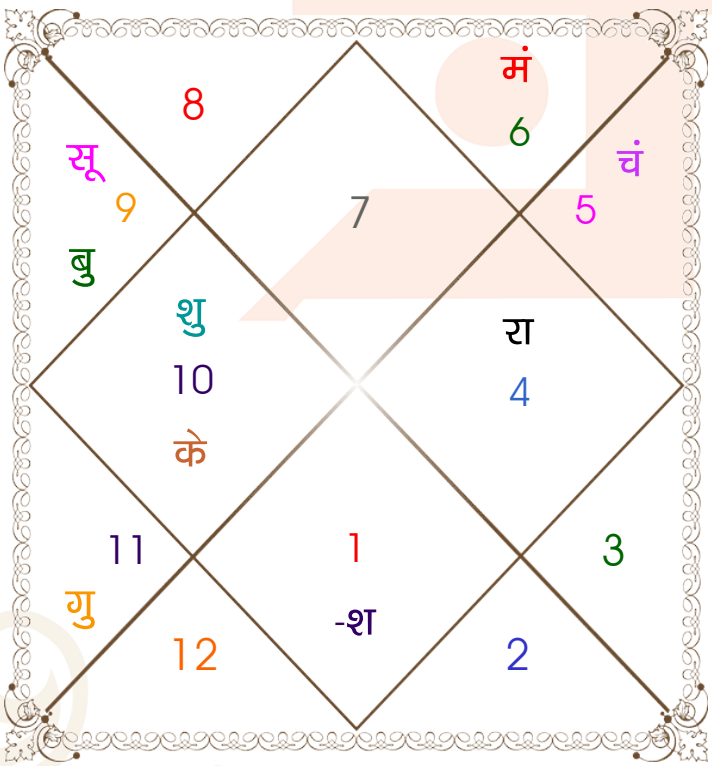

चन्द्र कुंडली

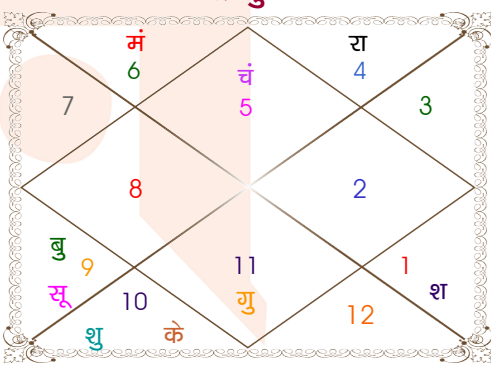

नवमांश कुंडली

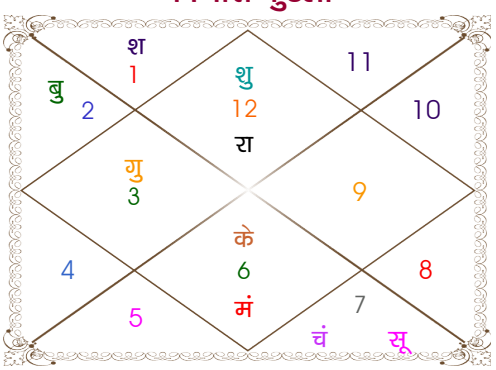

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 4 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
07/01/1999		06/06/2006		06/06/2012		06/06/2022		06/06/2029	
06/06/2006		06/06/2012		06/06/2022		06/06/2029		07/06/2047	
	00/00/0000	सूर्य	24/09/2006	चंद्र	06/04/2013	मंगल	02/11/2022	राहु	17/02/2032
	00/00/0000	चंद्र	26/03/2007	मंगल	05/11/2013	राहु	21/11/2023	गुरु	13/07/2034
	00/00/0000	मंगल	31/07/2007	राहु	07/05/2015	गुरु	27/10/2024	शनि	19/05/2037
	00/00/0000	राहु	24/06/2008	गुरु	05/09/2016	शनि	06/12/2025	बुध	06/12/2039
	07/01/1999	गुरु	12/04/2009	शनि	06/04/2018	बुध	03/12/2026	केतु	24/12/2040
गुरु	07/04/1999	शनि	25/03/2010	बुध	06/09/2019	केतु	01/05/2027	शुक्र	24/12/2043
शनि	06/06/2002	बुध	30/01/2011	केतु	06/04/2020	शुक्र	30/06/2028	सूर्य	17/11/2044
बुध	06/04/2005	केतु	07/06/2011	शुक्र	06/12/2021	सूर्य	05/11/2028	चंद्र	19/05/2046
केतु	06/06/2006	शुक्र	06/06/2012	सूर्य	06/06/2022	चंद्र	06/06/2029	मंगल	07/06/2047

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/06/2047		07/06/2063		06/06/2082		07/06/2099		07/06/2106	
07/06/2063		06/06/2082		07/06/2099		07/06/2106		00/00/0000	
गुरु	25/07/2049	शनि	09/06/2066	बुध	02/11/2084	केतु	03/11/2099	शुक्र	07/10/2109
शनि	05/02/2052	बुध	17/02/2069	केतु	30/10/2085	शुक्र	03/01/2101	सूर्य	07/10/2110
बुध	13/05/2054	केतु	28/03/2070	शुक्र	30/08/2088	सूर्य	11/05/2101	चंद्र	07/06/2112
केतु	19/04/2055	शुक्र	28/05/2073	सूर्य	07/07/2089	चंद्र	10/12/2101	मंगल	07/08/2113
शुक्र	18/12/2057	सूर्य	10/05/2074	चंद्र	06/12/2090	मंगल	08/05/2102	राहु	07/08/2116
सूर्य	06/10/2058	चंद्र	09/12/2075	मंगल	03/12/2091	राहु	26/05/2103	गुरु	08/01/2119
चंद्र	05/02/2060	मंगल	17/01/2077	राहु	22/06/2094	गुरु	01/05/2104		00/00/0000
मंगल	11/01/2061	राहु	24/11/2079	गुरु	26/09/2096	शनि	10/06/2105		00/00/0000
राहु	07/06/2063	गुरु	06/06/2082	शनि	07/06/2099	बुध	07/06/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 7 वर्ष 5 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।